

- जमीन मुहा. खेत कमाना- खाद डाल कर खेत को उपजाऊ बनाना; खेत चौकस करना- भूमि समतल करना; खेत काटना- खेत में उपजी फसल काटना; खेत छोड़ना- पीठ दिखलाना, परास्त होना; खेत आना- वीरगति को प्राप्त करना; खेत रहना- युद्ध में मारा जाना; खेत रखना- समर में विजय प्राप्त करना।
- खेतिहर** पुं. (तद्.) खेती करने वाला किसान, कृषक।
- खेती** स्त्री. (देश.) खेत जोतने-बोने का काम, किसानी, काश्तकारी।
- खेतीबारी** स्त्री. (देश.) खेत में बोई हुई फसल जैसे- आजकल खेतीबारी में किसान को कोई लाभ नहीं मिलता।
- खेद** पुं. (तत्.) 1. अप्रसन्नता, दुख, रंज 2. चित्त की शिथिलता, थकावट, ग्लानि।
- खेदा** पुं. (देश.) 1. किसी जंगली जानवर को घेर कर शिकार की जगह ले जाना 2. शिकार, आखेट।
- खेदित** वि. (तत्.) दुखित, खिन्न, आहत, पीड़ित, क्लान्त, शिथिल।
- खेना** स.क्रि. (तद्.) 1. नाव चलाने के लिए डांड मारना 2. कष्टपूर्वक दिन बिताना।
- खेप** स्त्री. (तद्.) 1. एक बार में ढोया जाना वाला बोझ या माल 2. एक बार के बोझ का सामान 3. बोझ वाले व्यक्ति का एक ही बार आना जाना 4. एक फेरा 5. ऐब, दोष 6. खोटा सिक्का मुहा. खेप करना- माल ढोकर ठीक जगह पहुँचा आना; खेप हारना- ढोया माल गँवाना या नष्ट होना, व्यर्थ श्रम करना।
- खेपना** स.क्रि. (देश.) बिताना, काटना, गुजारना, समाहित करना, बिदा करना।
- खेम** पुं. (तद्.) दे. क्षेम।
- खेमटा** पुं. (देश.) 1. एक ताल 2. ताल पर गाया जाने वाला गीत 3. ताल पर होने वाला एक नृत्य।
- खेमा** स्त्री. (अर.) तंबू, डेरा।
- खेय** वि. (तत्.) 1. खोदने योग्य, जो खोदा जा सके 2. खंदक, खाई, पुल।

- खेरिया** स्त्री. (देश.) 1. छोटा कटोरा या बेलिया, पानी पीने का छोटा बर्तन 2. वे सितारे या बुंदे जो स्त्रियाँ अपने मुँह पर शोभा के लिए लगाती हैं।
- खेल** पुं. (तत्.) 1. मन बहलाने और समय बिताने के लिए किया जाने वाला कोई काम 2. बहुत साधारण या तुच्छ काम 3. वह छोटा कुंड जिसमें चौपाए पानी पीते हैं मुहा. खेल के दिन- बाल्यावस्था, लडकपन; खेल खेलना- चाल चलना; खेल खेलना-तंग या हैरान करना; खेल समझना- आसान समझना; खेल बनाना- काम बनाना; खेल बिगड़ना- काम बिगड़ना।
- खेलन** पुं. (तत्.) 1. हिलाना, डुलाना, नचाना 2. खेलने का भाव आमोद-प्रमोद, मन बहलाव 3. नाटक, स्वांग, अभिनय आदि खेल।
- खेलना** अ.क्रि. (तद्.) 1. मन बहलाव या चित्त के उल्लास के लिए दौड़ना, नाचना, कूदना-उछलना, क्रीड़ा करना 2. विहार करना मुहा. खेलना खाना- आनंद से दिन बिताना प्रयो. अभी तुम्हारे खेलने खाने के दिन हैं, सोच करने के नहीं मुहा. खेली-खाई-पुरुष समागम की जानकारी स्त्री; खेल खेलना- खुल्लम खुल्ला कोई काम करना स.क्रि. (देश.) 1. ऐसी क्रिया जो केवल मन बहलाव, व्यायाम आदि के लिए की जाती है, जिसमें कभी कभी हार जीत का भी विचार होता है जैसे- गेंद खेलना, ताश खेलना, जुआ खेलना 2. किसी वस्तु को लेकर अपना जी बहलाना, किसी वस्तु को मनोरंजन के लिए हिलाना-डुलाना आदि मुहा. जान पर खेलना- प्राण भय में डालना।
- खेलनी** स्त्री. (तद्.) खेलने की वस्तु, खेल का उपकरण।
- खेलवाड़** पुं. (देश.) 1. खेल, क्रीड़ा, तमाशा 2. मन बहलाव, दिल्लगी
- खेला** स्त्री. (तत्.) क्रीड़ा, खेल, मन बहलाव।
- खेवक** पुं. (तद्.) नाव खेने वाला, मल्लाह, केवट, माँझी।
- खेवट** पुं. (देश.) 1. पटवारी या लेखपाल का एक कागज, जिसमें गाँव के हर जमींदार की माल